TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

05 फरवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

सच्ची शिक्षा मनुष्य को उसकी खुद की अपार संभावनाओं को जागृत करने में निहित है।

गिजुभाई बधेका

राकेश कुमार

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

05 फरवरी

Gyan Drishti
Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, माघ माह, शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, बुधवार 05 फरवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"अनजान होना उतनी लज्जा की बात नहीं, जितनी सीखने के लिए तैयार न होना।"

आज के दिन

1630 – सिखों के सातवें गुरु हर राय का जन्म पंजाब के कीरतपुर मे हुआ।

1639 – मुगल बादशाह औरंगजेब की पुत्री जेबुन्निसा का जन्म।

1900 – अमेरिका और ब्रिटेन के मध्य पनामा नहर समझौते पर हस्ताक्षर।

1904 – क्यूबा अमेरिका के कब्जे से मुक्त हुआ।

1917 – मैक्सिको ने नया संविधान अंगीकृत किया।

1927 – भारतीय सूफी संत इनायत खान का निधन।

2007 – भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष में सबसे अधिक समय बिताने वाली महिला बनीं। सुनीता विलियम्स NASA के माध्यम से अंतरिक्ष में जाने वाली भारतीय मूल की दूसरी महिला हैं।

2008 – प्रसिद्ध भारतीय योगाचाय महर्षि महेश योगी का निधन (इन्होंने योग को भारत के बाहर भी प्रसिद्धि दिलाई।)

1. **ह्वेन–त्सांग का निधन–** प्रसिद्ध चीनी बौद्ध भिक्षु ह्वेन–त्सांग का निधन 5 फरवरी 664 ई. को हुआ था। उसका अन्य नाम चेन आई, युवानच्वांग, मू–चा ति–पो आदि था। उसे 'सान–त्सांग' की मानद उपाधि भी प्रदान की गयी थी। वह भारत में रहकर संस्कृत भाषा का अध्ययन किया और बौद्ध धर्मग्रंथों का चीनी भाषा में अनुवाद भी किया। वह एक प्रसिद्ध दार्शनिक, अनुवादक और घुमक्कड़ था। उसने बुद्ध से जुड़े सभी पवित्र स्थलों का भ्रमण किया और बौद्ध धर्म के प्रचार–प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। ह्वेन–त्सांग का जन्म चीन के होनान–फू प्रांत के लुओयंग नामक स्थान पर 605ई. में हुआ था। उसने कन्नौज के राजा हर्षवर्द्धन के निमंत्रण पर 635 से 643ई. (8 वर्षों) तक कन्नौज में रहा तथा यहीं से वह स्वदेश रवाना हुआ। माना जाता है कि ह्वेन–त्सांग अपने साथ 657 पुस्तकों की पांडुलिपियों को अपने साथ चीन ले गया। उसने 637ई. से 6 वर्षों तक नालंदा विश्वविद्यालय (तत्कालीन कुलपति आचार्य शीलभद्र) में अध्ययन भी किया था। ह्वेन–त्सांग को 'प्रिंस ऑफ ट्रैवलर्स' अर्थात 'यात्रियों का राजकुमार' भी कहा जाता है। उसके लिखित पुस्तक का नाम 'सी–यू–की' है।

   - संदर्भ: अतीत से वर्तमान भाग 1, अध्याय 12, 'नये साम्राज्य एवं राज्य' के संदर्भ में बच्चों को बतायें।

2. **विश्व नुटेला दिवस–** प्रतिवर्ष 5 फरवरी को विश्व नुटेला दिवस मनाया जाता है। नुटेला चॉकलेट और हेजलनट्स को मिलाकर बनाया गया एक उत्पाद है। 6 फरवरी, 2007 को पहला विश्व नुटेला दिवस मनाया गया। एक साल बाद, तारीख बदलकर 5 फरवरी कर दी गई। तब से, हर साल 5 फरवरी को दुनिया भर में विश्व नुटेला दिवस मनाया जाता है।

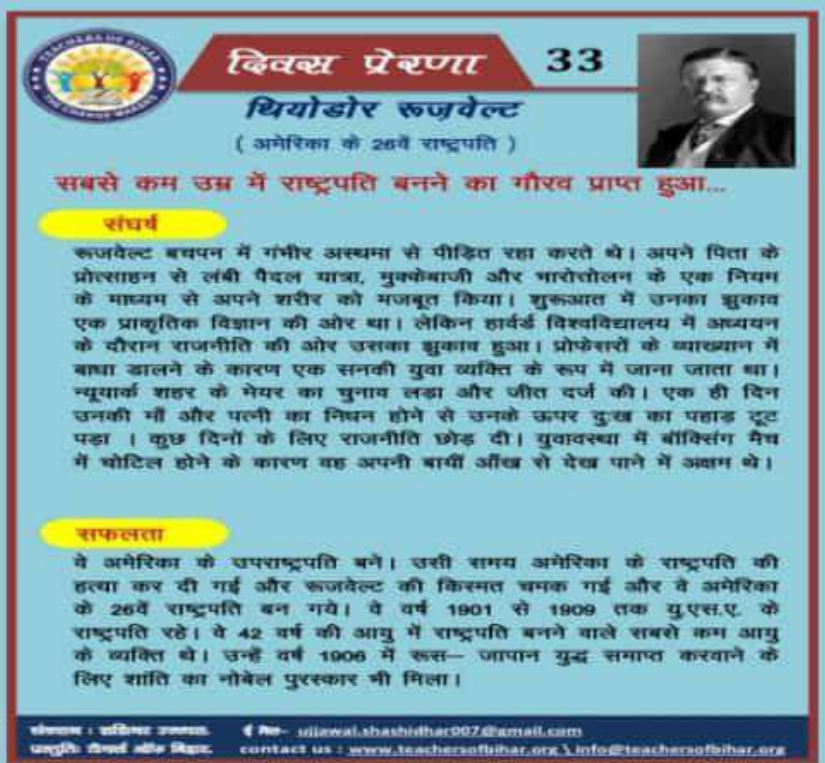

Teachers of Bihar
The change makers

जयंती विशेष 05 फरवरी

राकेश कुमार

हिन्दी व संस्कृत के महा कवि, लेखक एवं आलोचक
पद्म श्री से सम्मानित

आचार्य जानकी वल्लभ शास्त्री

जी की जयंती पर

शत्-शत् नमन

जानकी वल्लभ शास्त्री *Janaki Ballabh Shashtri,* जन्म: 5 फरवरी 1916 - मृत्यु: 7 अप्रैल 2011) प्रसिद्ध कवि थे। उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 'भारत भारती पुरस्कार' से सम्मानित किया गया था। वे उन थोड़े-से कवियों में रहे, जिन्हें हिंदी कविता के पाठकों से बहुत मान-सम्मान मिला। आचार्य जानकी वल्लभ शास्त्री का काव्य संसार बहुत ही विविध और व्यापक है। प्रारंभ में उन्होंने संस्कृत में कविताएँ लिखीं। फिर महाकवि निराला की प्रेरणा से हिंदी में आए।

Teachers of Bihar
The change makers

दिवस विशेष

5 फरवरी

मधु प्रिया

ह्वेन त्सांग की मृत्यु 5 फरवरी

ह्वेन त्सांग का जन्म चीन के लुओयंग स्थान पर सन 602 में हुआ था और मृत्यु 5 फरवरी, 664 में हुई थी। ह्वेन त्सांग अपने चारों भाई-बहनों में सबसे छोटा था। इसके पिता एक कन्फ्यूशियनिस्ट थे। इसके बावजूद भी यह बौद्ध भिक्षु बनना चाहते थे। इसके पिता की मृत्यु सन 611 में हुई जिसके बाद यह अपने बड़े भाई चेनसू (बाद में चांगजी कहलाय) के साथ जिंगतू मठ में रहा। इस काल में इसने थेरवडा और महायन बौद्ध धर्म का अध्ययन किया। 618 में सुई वंश के पतन के बाद दोनों भाई चांगान भाग गये, जिसे तांग वंश की राजधानी माना जाता था। वहां से दक्षिण में सिन्चुआन गये। वहां दोनों भाई कोंग हुई मठ में दो-तीन वर्ष पढ़े। वहीं अभिधर्मकोष शास्त्र का अध्ययहन भी किया। वहीं इसने बौद्ध भिक्षु बनने की बात की। तेरह वर्ष मात्र आयु में ही अपनी अद्वितीय प्रतिभा के कारण यह मठाधीश बन गया। सन 622 में इसे पूर्ण भिक्षु बनाया गया। जब यह बीस वर्ष का था। बौद्ध पाठ्यों में मतभेद और भ्रम के कारण इसने भारत जाकर मूल पाठ का अध्ययन करने का निश्चय किया। तब इसने अपन एभाई को छोड़कर चांगान वापस लौट कर विदेशी भाषाओं की शिक्षा लीं। और वह 626 में संस्कृत में पारंगत हो गया। इसी काल में इसे योग शिक्षा का भी शौक हुआ।

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 05.02.2025

मुक्त्यात्मक अनुशासन

मुक्त्यात्मक अनुशासन का मतलब है, हस्तक्षेप रहित अनुशासनिक व्यवस्था. शोध अध्ययनों के मुताबिक, जिन बच्चों का पारिवारिक वातावरण मुक्त्यात्मक अनुशासनिक व्यवस्था वाला होता है, उनकी शैक्षिक उपलब्धि ज़्यादा होती है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

दुनिया का पहला तैरता हुआ होटल, जिसे मूल रूप से ग्रेट बैरियर रीफ फ्लोटेल के नाम से जाना जाता था, इस होटल ने 1988 में ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड में अपनी यात्रा शुरू की। यह होटल समुद्र के ऊपर तैरता हुआ एक अनोखा अनुभव प्रदान करता था। बाद में, इसे वियतनाम ले जाया गया और अंततः उत्तर कोरिया में स्थापित किया गया, जहाँ इसे होटल हेगुमगंग के नाम से जाना गया।

ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट अवॉर्ड 2025

ट्रैविस हेड
एलन बॉर्डर
मेडल

एनाबेल सदरलैंड
बेलिंडा क्लार्क
अवॉर्ड

जोश हेजलवुड
शेन वॉर्न टेस्ट
प्लेयर ऑफ ईयर

ट्रैविस हेड
मेंस वनडे प्लेयर
ऑफ ईयर

एश्ले गार्डनर
विमेंस वनडे प्लेयर
ऑफ ईयर

एडम जम्पा
मेंस टी-20 प्लेयर
ऑफ ईयर

बेथ मूनी
विमेंस टी-20
प्लेयर ऑफ ईयर

ब्यू वेबस्टर
मेंस डोमेस्टिक
प्लेयर ऑफ ईयर

जॉर्जिया वॉली
विमेंस डोमेस्टिक
प्लेयर ऑफ द ईयर

सैम कोंस्टास
ब्रैडमैन यंग क्रिकेटर
ऑफ ईयर

च्लोए एंसवर्थ
विल्सन यंग क्रिकेटर
ऑफ ईयर

विभिन्न तत्वों से परिचय

रसायनविज्ञान

वर्ग - 9-10

तत्व (Element)

मैंगनीज (Manganese)

संकेत (Symbol) -- **Mn**

परमाणु संख्या (Atomic no.) -25

परमाणु भार (A. weight) -54.938

समूह (group)-7

आवर्त (period)-4

ब्लाक (block)-d

संयोजकता (valancy)-2

समस्थानिक (isotope)-3

इलेक्ट्रॉनिक विन्यास -[Ar] $3d^5 4s^2$

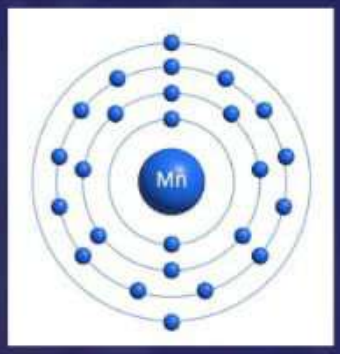

खोज

1774, कार्ल विल्हेम

भौतिक गुण

कठोर, भंगुर, चांदी जैसा रंग ,पैरामैग्नेटिक ,संक्रमणधतु

रासायनिक गुण

गर्म पानी के साथ प्रतिक्रियाशील, उच्च विधुत ऋणात्मकता

उपयोग

इस्पात, बैट्री ,शंट प्रतिरोध ,उर्वरक, कांच निर्माण

Anu priya

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
प्रताप चंद्र रेड्डी
जन्म- 5 फरवरी 1933
Madhu priya
/teachersofbihar

जानकी वल्लभ शास्त्री

जन्म-5 फरवरी 1916
निधन-7 अप्रैल 2011

/teachersofbihar

Madhu priya